विद्या- भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग -तृतीय,विषय- हिंदी दिनांक-05-05-2021

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित (पाठ-2)

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में पाठ -2 का शब्दार्थ दिया जा रहा है जो कि इस प्रकार है-

शब्दार्थ-

प्रसन्नता पूर्वक----प्रसन्नता (खुशी)के साथ।

कृपया -- कृपया से, कृपया करके।

कृपालु --- कृपया या उपकार करने वाला।

स्वीकार करना --- मानना

शीघ्र ----- बहुत जल्दी

सीना तानना ---वीरता और घमंड दिखलाना

सिर पर पांव रखकर भागना--- बहुत तेजी से भागना

निर्भय - जिसमें भय ना हो, निडर

कृपा -- दया

भयभीत होना -- डरना

खूंखार – हिंसक, खतरनाक

चट कर जाना – तोड़ना

भंग करना -- तोड़ना

घमंड चूर होना - घमंडी या अभिमान खत्म

दिए ,गए शब्दार्थ कॉपी में उतारे तथा याद करें ।